

अर्जुन सिंह
संयुक्त सचिव
उत्तरांचल शासन

सेवा में

महानिदेशक,
शिक्षण शाखा एवं स्वीकृत कक्षाएं,
उत्तरांचल, देहरादून।

विशेष अनुदान-2

देहरादून दिनांक: 17 मार्च, 2005

विषय- वित्तीय वर्ष 2004-05 में अनुदान संख्या 12 आयोजनेतर पक्ष में एलैमेटिक शिक्षितालय एवं औषधालय के अन्तर्गत वित्तगत नवी में पुनर्निर्माण की स्वीकृति।

उपरोक्त विषयक आगमन पत्र सं. 55/6/44/2004-05/2203, दिनांक 31 जनवरी/4/2 2005 के संदर्भ में मुझे पत्र कटने का निर्देश हुआ है कि, श्री राज्यपाल महोदय, वित्तीय वर्ष 2004-05 में सलग्न पुनर्निर्माण प्रक्रिया नोटिस 15 के अनुसार एलैमेटिक शिक्षितालय एवं औषधालय योजना के अन्तर्गत आयोजनेतर पक्ष में कुल राशि 2,00,00,000.00 (दो करोड़ पचास लाख बीस हजार मात्र) की अनुरोध कर करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की जाय।

2- उपर्युक्त योजनाओं को सलग्न प्रस्तावित सम्बन्धित अधिकारियों को अनुमति कर दिया जाय ताकि वर्णित प्रस्तावों का कार्य संचालन हो सके।

3- उपर्युक्त वर्ष 2004-05 के आय-व्यय में अनुदान संख्या 12 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक- 2210- शिक्षितालय तथा औषधालय- आयोजनेतर, 00- 03- प्राचीन स्वास्थ्य सेवाएं- पारंपारिक शिक्षितालय पद्धति, 110- आयोजित तथा औषधालय, 00- एलैमेटिक शिक्षितालय एवं औषधालय के अन्तर्गत कालन (5) में वर्णित मानक मदों के नामों के अन्तर्गत तथा सलग्न पुनर्निर्माण प्रक्रिया नोटिस 15 के अनुसार अनुदान संख्या 12 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक 2210- शिक्षितालय तथा औषधालय- आयोजनेतर, 00- प्राचीन स्वास्थ्य सेवाएं- पारंपारिक शिक्षितालय पद्धति 110- आयोजित तथा औषधालय, 00- एलैमेटिक शिक्षितालय एवं औषधालय के अन्तर्गत कालन (1) की बंधन से कार्य किया जाय।

4- यह आदेश दिए दिनांक के अन्तर्गत संख्या 1827/विशेष अनुदान-2/2005 दिनांक 17.03.05 में प्राप्त सहमति से कार्य किया जा सके।

भवदीय
(अर्जुन सिंह)
संयुक्त सचिव

संख्या एवं तारीख

- 1- शिक्षितालय निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-
- 2- महानिदेशक, उत्तरांचल, राज्य देहरादून।
- 3- निदेशक, योजनाएं, उत्तरांचल, देहरादून।
- 4- निदेशक, स्वास्थ्य, उत्तरांचल, देहरादून।
- 5- निदेशक, शिक्षितालय निदेश, उत्तरांचल, देहरादून।
- 6- विश्व अनुदान-2/विशेष अनुदान विभाग/ एन.आई.सी./6- कार्य प्रारम्भ।

आज्ञा है
(अर्जुन सिंह)
संयुक्त सचिव

202/xxviii(3) 2004 39/2004 07/05

1974 - 1982 - 1984 - 1986 - 1988 - 1990 - 1992 - 1994 - 1996 - 1998 - 2000 - 2002 - 2004 - 2006 - 2008 - 2010 - 2012 - 2014 - 2016 - 2018 - 2020 - 2022 - 2024 - 2026 - 2028 - 2030 - 2032 - 2034 - 2036 - 2038 - 2040 - 2042 - 2044 - 2046 - 2048 - 2050 - 2052 - 2054 - 2056 - 2058 - 2060 - 2062 - 2064 - 2066 - 2068 - 2070 - 2072 - 2074 - 2076 - 2078 - 2080 - 2082 - 2084 - 2086 - 2088 - 2090 - 2092 - 2094 - 2096 - 2098 - 2100 - 2102 - 2104 - 2106 - 2108 - 2110 - 2112 - 2114 - 2116 - 2118 - 2120 - 2122 - 2124 - 2126 - 2128 - 2130 - 2132 - 2134 - 2136 - 2138 - 2140 - 2142 - 2144 - 2146 - 2148 - 2150 - 2152 - 2154 - 2156 - 2158 - 2160 - 2162 - 2164 - 2166 - 2168 - 2170 - 2172 - 2174 - 2176 - 2178 - 2180 - 2182 - 2184 - 2186 - 2188 - 2190 - 2192 - 2194 - 2196 - 2198 - 2200 - 2202 - 2204 - 2206 - 2208 - 2210 - 2212 - 2214 - 2216 - 2218 - 2220 - 2222 - 2224 - 2226 - 2228 - 2230 - 2232 - 2234 - 2236 - 2238 - 2240 - 2242 - 2244 - 2246 - 2248 - 2250 - 2252 - 2254 - 2256 - 2258 - 2260 - 2262 - 2264 - 2266 - 2268 - 2270 - 2272 - 2274 - 2276 - 2278 - 2280 - 2282 - 2284 - 2286 - 2288 - 2290 - 2292 - 2294 - 2296 - 2298 - 2300 - 2302 - 2304 - 2306 - 2308 - 2310 - 2312 - 2314 - 2316 - 2318 - 2320 - 2322 - 2324 - 2326 - 2328 - 2330 - 2332 - 2334 - 2336 - 2338 - 2340 - 2342 - 2344 - 2346 - 2348 - 2350 - 2352 - 2354 - 2356 - 2358 - 2360 - 2362 - 2364 - 2366 - 2368 - 2370 - 2372 - 2374 - 2376 - 2378 - 2380 - 2382 - 2384 - 2386 - 2388 - 2390 - 2392 - 2394 - 2396 - 2398 - 2400 - 2402 - 2404 - 2406 - 2408 - 2410 - 2412 - 2414 - 2416 - 2418 - 2420 - 2422 - 2424 - 2426 - 2428 - 2430 - 2432 - 2434 - 2436 - 2438 - 2440 - 2442 - 2444 - 2446 - 2448 - 2450 - 2452 - 2454 - 2456 - 2458 - 2460 - 2462 - 2464 - 2466 - 2468 - 2470 - 2472 - 2474 - 2476 - 2478 - 2480 - 2482 - 2484 - 2486 - 2488 - 2490 - 2492 - 2494 - 2496 - 2498 - 2500 - 2502 - 2504 - 2506 - 2508 - 2510 - 2512 - 2514 - 2516 - 2518 - 2520 - 2522 - 2524 - 2526 - 2528 - 2530 - 2532 - 2534 - 2536 - 2538 - 2540 - 2542 - 2544 - 2546 - 2548 - 2550 - 2552 - 2554 - 2556 - 2558 - 2560 - 2562 - 2564 - 2566 - 2568 - 2570 - 2572 - 2574 - 2576 - 2578 - 2580 - 2582 - 2584 - 2586 - 2588 - 2590 - 2592 - 2594 - 2596 - 2598 - 2600 - 2602 - 2604 - 2606 - 2608 - 2610 - 2612 - 2614 - 2616 - 2618 - 2620 - 2622 - 2624 - 2626 - 2628 - 2630 - 2632 - 2634 - 2636 - 2638 - 2640 - 2642 - 2644 - 2646 - 2648 - 2650 - 2652 - 2654 - 2656 - 2658 - 2660 - 2662 - 2664 - 2666 - 2668 - 2670 - 2672 - 2674 - 2676 - 2678 - 2680 - 2682 - 2684 - 2686 - 2688 - 2690 - 2692 - 2694 - 2696 - 2698 - 2700 - 2702 - 2704 - 2706 - 2708 - 2710 - 2712 - 2714 - 2716 - 2718 - 2720 - 2722 - 2724 - 2726 - 2728 - 2730 - 2732 - 2734 - 2736 - 2738 - 2740 - 2742 - 2744 - 2746 - 2748 - 2750 - 2752 - 2754 - 2756 - 2758 - 2760 - 2762 - 2764 - 2766 - 2768 - 2770 - 2772 - 2774 - 2776 - 2778 - 2780 - 2782 - 2784 - 2786 - 2788 - 2790 - 2792 - 2794 - 2796 - 2798 - 2800 - 2802 - 2804 - 2806 - 2808 - 2810 - 2812 - 2814 - 2816 - 2818 - 2820 - 2822 - 2824 - 2826 - 2828 - 2830 - 2832 - 2834 - 2836 - 2838 - 2840 - 2842 - 2844 - 2846 - 2848 - 2850 - 2852 - 2854 - 2856 - 2858 - 2860 - 2862 - 2864 - 2866 - 2868 - 2870 - 2872 - 2874 - 2876 - 2878 - 2880 - 2882 - 2884 - 2886 - 2888 - 2890 - 2892 - 2894 - 2896 - 2898 - 2900 - 2902 - 2904 - 2906 - 2908 - 2910 - 2912 - 2914 - 2916 - 2918 - 2920 - 2922 - 2924 - 2926 - 2928 - 2930 - 2932 - 2934 - 2936 - 2938 - 2940 - 2942 - 2944 - 2946 - 2948 - 2950 - 2952 - 2954 - 2956 - 2958 - 2960 - 2962 - 2964 - 2966 - 2968 - 2970 - 2972 - 2974 - 2976 - 2978 - 2980 - 2982 - 2984 - 2986 - 2988 - 2990 - 2992 - 2994 - 2996 - 2998 - 3000 - 3002 - 3004 - 3006 - 3008 - 3010 - 3012 - 3014 - 3016 - 3018 - 3020 - 3022 - 3024 - 3026 - 3028 - 3030 - 3032 - 3034 - 3036 - 3038 - 3040 - 3042 - 3044 - 3046 - 3048 - 3050 - 3052 - 3054 - 3056 - 3058 - 3060 - 3062 - 3064 - 3066 - 3068 - 3070 - 3072 - 3074 - 3076 - 3078 - 3080 - 3082 - 3084 - 3086 - 3088 - 3090 - 3092 - 3094 - 3096 - 3098 - 3100 - 3102 - 3104 - 3106 - 3108 - 3110 - 3112 - 3114 - 3116 - 3118 - 3120 - 3122 - 3124 - 3126 - 3128 - 3130 - 3132 - 3134 - 3136 - 3138 - 3140 - 3142 - 3144 - 3146 - 3148 - 3150 - 3152 - 3154 - 3156 - 3158 - 3160 - 3162 - 3164 - 3166 - 3168 - 3170 - 3172 - 3174 - 3176 - 3178 - 3180 - 3182 - 3184 - 3186 - 3188 - 3190 - 3192 - 3194 - 3196 - 3198 - 3200 - 3202 - 3204 - 3206 - 3208 - 3210 - 3212 - 3214 - 3216 - 3218 - 3220 - 3222 - 3224 - 3226 - 3228 - 3230 - 3232 - 3234 - 3236 - 3238 - 3240 - 3242 - 3244 - 3246 - 3248 - 3250 - 3252 - 3254 - 3256 - 3258 - 3260 - 3262 - 3264 - 3266 - 3268 - 3270 - 3272 - 3274 - 3276 - 3278 - 3280 - 3282 - 3284 - 3286 - 3288 - 3290 - 3292 - 3294 - 3296 - 3298 - 3300 - 3302 - 3304 - 3306 - 3308 - 3310 - 3312 - 3314 - 3316 - 3318 - 3320 - 3322 - 3324 - 3326 - 3328 - 3330 - 3332 - 3334 - 3336 - 3338 - 3340 - 3342 - 33

[illegible]

ମାର୍ଚ୍ଚ ୨୦୦୧-୦୫)
(ସମସ୍ତଙ୍କର ସ୍ୱାକ୍ଷର ସହ)

[illegible]

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पूर्वाभिप्राय में कन्वर्ट रजिस्ट्रार को धारा 156(1) के अन्तर्गत प्रमाणित एवं स्वीकृत नहीं होता है।

(अर्थ) कि
 किंवा कि

116
1381

સાબરમતી સમાજ
સભા સુધાપુર - ૨
સભા 187/M/sud sap 7/ 2005
દેવગઢ : જાન્યુઆરી 14.3. 2005

પુનર્વિચારણા રજીસ્ટર

સુધાપુર મંડ
અથવા સુધાપુર,
સુધાપુર જિલ્લો

સંગ્રહ નં.

સુધાપુર સમાજ

સભાસભા (સંગ્રહ અને સંસ્કાર)

સભા સુધાપુર મંડ, દેવગઢ

સંગ્રહ 202/સ.સ.પ.સ. 2004-39/2004 સુધાપુર સમાજ

સંગ્રહ સુધાપુર સમાજ સુધાપુર અને સુધાપુર સમાજ સુધાપુર મંડ

1. સુધાપુર, સુધાપુર અને સુધાપુર સમાજ સુધાપુર મંડ
2. સુધાપુર સમાજ સુધાપુર/સુધાપુર સમાજ, સુધાપુર
3. સુધાપુર સમાજ ૨
4. સુધાપુર સમાજ

આજ નં
(અર્જન સિદ્ધિ)
સંસ્કાર સમાજ